प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2024-25

विषय : हिंदी (आधार)

(विषय कोड - 302)

कक्षा - ग्यारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे	**अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

- **निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-**
- **यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।**
- **खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।**
- **खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।**

खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1+1+1+1+2+2+2=10)

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ विनाश का कारण बनता है। आधुनिकता के नाम पर जंगलों की कटाई, पहाड़ों को तोड़कर सड़क, होटल, मकान बनाना, कंक्रीट के बड़े-बड़े जंगल खड़े कर दिए जा रहे हैं। सुख की इस कभी न बुझने वाली प्यास के लिए इंसान प्रकृति से और छेड़खानी में लग जाता है। प्रकृति उसे बार-बार चेतावनी देती है, कभी भूकंप आ जाता है तो कभी बाढ़। प्रकृति को भूलना, आधुनिकता नहीं है। इसके अभाव को सहज रूप से महसूस न करने वाला मन बीमार होता है। आज जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा बीमार मन के लोगों का है। व्यक्ति जितना सृष्टि से दूर होता जा रहा है, शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से उतना ही अस्वस्थ हो रहा है। होना तो यह था कि प्रकृति की गोद में बैठकर अपनी आत्मा को टटोलते। स्वयं से इतना अधिक अपरिचय ही मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। और यह अपरिचय क्यों है? क्योंकि मनुष्य लगातार प्रकृति से दूर होता जा रहा है।

आधुनिकता की अंधी दौड़ में शामिल व्यक्ति पृथ्वी की धूल यानी सृष्टि के मूल से अलग होता जाता है। ऐसा व्यक्ति निपट अकेला होता है। उसके आसपास जो लोग होते हैं, वस्तुएँ होती हैं, वे उसी नकली सुख को पोषित करती हैं, जिसमें सृष्टि के तत्व न के बराबर होते हैं। ऐसी आधुनिकता सृष्टि से अलगाव ला देती है। प्रकृति से इस प्रकार के अलगाव के कारण ही व्यक्ति पाप के ऐसे चक्कर में फँस जाता है। कृत्रिमता से आनंद का समझौता नहीं होता। अध्यात्म के सवालों के जवाब भी कृत्रिमता से नहीं मिलते। आत्मा भी इस नकली आनंद के बोझ से कहीं गहरे दब जाती है। आत्मा की सुनें या आनंद की ? आधुनिकता की दौड़ में पागलों की तरह भाग रहे लोग आनंद की सुनते हैं। आनंद चूँकि नकली है, इसलिए वह आगे बढ़ने के लिए तरह-तरह के पाखंड माँगता है। कुछ लोग भंडारा करके फोटो खिंचाते हैं और उसे अखबार में छपवाते हैं। क्या वो सच्चा आनंद है? कुछ आंनद के लिए पहाड़ों की ओर भागते हैं, और वहाँ घर से भी

ज्यादा अव्यवस्थित जीवन जीते हैं। कूड़ा-कचरा पहाड़ों में ही फेंककर चले आते हैं। जब वापस घर पहुँचते हैं तो पाते हैं कि मन तो अभी भी विचलित है। क्योंकि जिस प्रकृति की गोद में बैठकर हमें अध्यात्म का आनंद लेना था, उस गोद में हम कचरा डाल आए हैं। ऐसी आधुनिकता आनंद कभी नहीं देती है। वह सिर्फ दुख देती है, जिसे व्यक्ति सुख समझकर बैठा है।

- साभार नवभारत टाइम्स 8 अप्रैल, 2024

(i) आनंद को नकली कहा गया है- **(1)**

(क) पाखंड की माँग के कारण (ख) अध्यात्म से जुड़ने के कारण

(ग) कृत्रिमता से दूरी के कारण (घ) सृष्टि की समझ के कारण

(ii) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा मनुष्य के पतन का कारण <u>नहीं</u> है? **(1)**

(क) कृत्रिमता में आनंद का अनुभव करना (ख) अपनी प्रकृति से अपरिचित रहना

(ग) आधुनिक सुखों में लिप्त रहना (घ) आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करना

(iii) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1)**

कथन (A): आधुनिकता व्यक्ति को अकेला कर देती है।

कारण (R): इसमें सृष्टि तत्व का अभाव होता है।

(क) कथन (A) सही और कारण (R) गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत और कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) प्रकृति किस प्रकार चेतावनी देती है? **(1)**

(v) आधुनिकता की अंधी दौड़ का प्रकृति पर क्या दुष्परिणाम पड़ा? स्पष्ट कीजिए। **(2)**

(vi) 'कृत्रिमता से आनंद का समझौता नहीं होता।' आशय स्पष्ट कीजिए। **(2)**

(vii) गद्यांश के आधार पर 'बीमार मन' पर टिप्पणी कीजिए। **(2)**

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -: (1+1+1+1+2+2=8)

हम नदी के द्वीप हैं।
हम नहीं कहते कि हमको छोड़कर स्रोतस्विनी बह जाय।
वह हमें आकार देती है।
हमारे कोण, गलियाँ, अंतरीप, उभार, सैकत-कूल
सब गोलाइयाँ उसकी गढ़ी हैं।

माँ है वह! है, इसी से हम बने हैं।
किंतु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं हैं।

स्थिर समर्पण है हमारा।
हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के।
किंतु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।

पैर उखड़ेंगे। प्लवन होगा। ढहेंगे। सहेंगे। बह जायेंगे।
और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनायेंगे।

द्वीप हैं हम!
यह नहीं है शाप। यह अपनी नियती है।
हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी की क्रोड में।
वह बृहत भूखंड से हम को मिलाती है।
और वह भूखंड अपना पितर है।
नदी तुम बहती चलो।

(i) यहाँ 'रेत होने' का आशय है - **(1)**

(क) समर्पित होना
(ख) अडिग बने रहना
(ग) विनम्र होना
(घ) अस्तित्व मिटना

(ii) द्वीप की पहचान है - **(1)**

(क) प्रवाहशीलता
(ख) स्थिरता
(ग) जटिलता
(घ) गतिशीलता

(iii) प्रतीकों का सर्वाधिक उपयुक्त मिलान है - **(1)**

(I) माँ	-	(अ) द्वीप
(II) पुत्र	-	(ब) भूखंड
(III) पिता	-	(स) नदी

(क) (I) - (ब), (II) - (स), (III) - (अ)
(ख) (I) - (स), (II) - (ब), (III) - (अ)
(ग) (I) - (स), (II) - (अ), (III) - (ब)
(घ) (I) - (अ), (II) - (ब), (III) - (स)

(iv) द्वीप होना अभिशाप क्यों नहीं है, स्पष्ट कीजिए। **(1)**

(v) नदी किस प्रकार द्वीप को आकार देने में अपनी भूमिका अदा करती है, स्पष्ट कीजिए। **(2)**

(vi) कवि नदी, द्वीप और भूखंड के प्रतीकों के माध्यम से क्या कहना चाहता है, आशय स्पष्ट कीजिए। **(2)**

खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम)

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: -

(6x1=6)

(क) ऑनलाइन ठगी

(ख) मैं भारतीय हूँ

(ग) सोशल मीडिया हिंदी प्रचार का सशक्त माध्यम

4. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में औपचारिक पत्र लिखिए- (5x1=5)

आपको अस्वस्थता के कारण नज़दीकी अस्पताल में जाना पड़ा। वहाँ की खराब व्यवस्था से आपका मन आहत हो गया। इस संबंध में अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

अथवा

आप जिस क्षेत्र में रहते हैं वहाँ के निवासी दैनिक जीवन में किसी न किसी समस्या से जूझ रहे होंगे। उस समस्या और उसके समाधान से अवगत करवाते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए।

5. (i) निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर लिखिए -

(2x4=8)

(क) जनसंचार माध्यमों में द्वारपाल की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

(ख) किसी भी समाचार पत्र में 'कार्टून कोने' का क्या महत्व है?

(ग) "डायरी एक ऐसा साक्षात्कार और संवाद है जिसमें हम सभी तरह की वर्जनाओं से मुक्त होते हैं।" स्पष्ट कीजिए।

(घ) सिद्ध कीजिए कि स्ववृत्त सूचनाओं का एक अनुशासित प्रवाह है।

(ड) हिंदी शब्दकोश में शब्दों को खोजने की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए।

(ii) निम्नलिखित प्रश्न का लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए - (3x1=3)

(क) फ़िल्मी पटकथा में फ़्लैशबैक या फ़्लैश फ़ॉरवर्ड तकनीक का क्या महत्व है?

खंड-ग (आरोह भाग-1 और वितान भाग-1 पाठ्य पुस्तकों पर आधारित)

6. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1x5=5)

यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है,
चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए।

न हो कमीज़ तो पाँवों से पेट ढँक लेंगे,
ये लोग कितने मुनासिब हैं इस सफ़र के लिए।

खुदा नहीं, न सही, आदमी का ख्वाब सही,
कोई हसीन नज़ारा तो है नज़र के लिए।

वे मुतमइन हैं कि पत्थर पिघल नहीं सकता,
मैं बेकरार हूँ आवाज़ में असर के लिए।

(i) "चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए" - पंक्ति में निहित भाव है -

(क) विपरीत परिस्थितियों से पलायन करना

(ख) व्यवस्था को खारिज कर विद्रोह करना

(ग) भ्रष्टाचारी एवं अन्यायी व्यवस्था को नष्ट करना

(घ) अन्याय और नकारात्मकता के समक्ष झुक जाना

(ii) 'पत्थर पिघलने' से आशय है -

(क) शासक वर्ग का भावुक होना (ख) शासक वर्ग का भाव-विभोर होना

(ग) व्यवस्था में परिवर्तन (घ) व्यवस्था का शिथिल होना

(iii) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम 1		कॉलम 2	
1	ये लोग कितने मुनासिब हैं इस सफ़र के लिए	(i)	विद्रोही कवि
2	मैं बेकरार हूँ आवाज़ में असर के लिए	(ii)	निरीह जनता
3	चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए	(iii)	असंतुष्ट सामान्य वर्ग

(क) 1- (iii), 2- (ii), 3- (i) (ख) 1- (i), 2- (iii), 3- (ii)

(ग) 1- (ii), 2- (i), 3- (iii) (घ) 1- (iii), 2- (i), 3- (ii)

(iv) 'दरख्तों के साये में धूप' - के माध्यम से शायर संकेत कर रहा है-

(क) रक्षक ही भक्षक होना (ख) असहनीय पीड़ा होना

(ग) भीषण गर्मी से व्याकुलता (घ) अभावों में आनंद की अनुभूति

(v) प्रस्तुत गज़ल में 'वे' प्रतीक हैं -

(क) शासक वर्ग का (ख) शोषित वर्ग का

(ग) बुद्धिजीवी वर्ग का (घ) सामंती वर्ग का

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए:- (3x2=6)

(क) कबीर सृष्टि के कण-कण में परमात्मा का वास मानते हैं। अपने मत के समर्थन में उन्होंने अपने पद में प्रकृति से अनेक उदाहरण दिए हैं। कबीर द्वारा वर्णित उदाहरणों को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि आप उनके मत से कहाँ तक सहमत हैं?

(ख) 'आओ मिलकर बचाएँ' कविता में कवयित्री ने संथाली संस्कृति और परिवेश की किन सुखद अनुभूतियों का संरक्षण करके भावी संकट से बचाने का आग्रह किया है?

(ग) 'सबसे खतरनाक' कविता के अनुसार सपनों का मर जाना सबसे खतरनाक क्यों होता है? आपके जीवन में सपने क्या महत्त्व रखते हैं?

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए:- (2x2=4)

(क) कवि पढ़ने-लिखने का क्या लाभ बताकर चंपा को पढ़ने के लिए प्रेरित करता है? इसका चंपा पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(ख) 'घर की याद' कविता में कवि अपनी दुखानुभूति का आभास अपने माता-पिता को नहीं करवाना चाहता। यह सोचकर कवि उन्हें कैसा संदेश भेजना चाहता है?

(ग) अक्क महादेवी ने लक्ष्य-प्राप्ति में किसे बाधक माना है और क्यों?

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1x5=5)

आप किस काम को आए थे और क्या कर चले। शासक-प्रजा के प्रति कुछ तो कर्तव्य होता है, यह बात आप निश्चित मानते होंगे। सो कृपा करके बतलाइए, क्या कर्तव्य आप इस देश की प्रजा के साथ पालन कर चले ! क्या आँख बंद करके मनमाने हुक्म चलाना और किसी की कुछ न सुनने का नाम ही शासन है? क्या प्रजा की बात पर कभी कान न देना और उसको दबाकर उसकी मर्जी के विरुद्ध जिद्द से सब काम किए चले जाना ही शासन कहलाता है? एक काम तो ऐसा बतलाइए, जिसमें आपने जिद्द छोड़कर प्रजा की बात पर ध्यान दिया हो। कैसर' और ज़ार भी घेरने-घोटने से प्रजा की बात सुन लेते हैं पर आप एक मौका तो बताइए, जिसमें किसी अनुरोध या प्रार्थना सुनने के लिए प्रजा के लोगों को आपने अपने निकट फटकने दिया हो और उनकी बात सुनी हो। नादिरशाह ने जब दिल्ली में कत्लेआम किया तो आसिफ़जाह के तलवार गले में डालकर प्रार्थना करने पर उसने कत्लेआम उसी दम रोक दिया। पर आठ करोड़ प्रजा के गिड़गिड़ाकर विच्छेद न करने की प्रार्थना पर आपने ज़रा भी ध्यान नहीं दिया। इस समय आपकी शासन-अवधि पूरी हो गई है तथापि बंग-विच्छेद किए बिना घर जाना आपको पसंद नहीं है! नादिर से भी बढ़कर आपकी जिद्द है। क्या समझते हैं कि आपकी जिद्द से प्रजा के जी में दुख नहीं होता?

(i) 'कान न देना' किस तथ्य की ओर संकेत कर रहा है-

(क) विद्रोह के प्रति सचेत न रहना (ख) प्रजा की माँग की उपेक्षा करना

(ग) शासकीय आदेश पर ध्यान नहीं देना (घ) विदेशी सत्ता की अवहेलना करना

(ii) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार 'आठ करोड़ प्रजा' है-

(क) भारत की (ख) पाकिस्तान की

(ग) ब्रिटेन की (घ) बंगाल की

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

I. 'कैसर' शब्द तानाशाह जर्मन शासकों के लिए प्रयुक्त होता था।

II. नादिरशाह की प्रार्थना पर आसिफज़ाह ने कत्लेआम रोक दिया।

III. 'ज़ार' शब्द जूलियस सीज़र से बना है।

IV लॉर्ड कर्जन केवल चाटुकारों की ही बात सुनते थे।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है/हैं -

(क) कथन I और III सही हैं (ख) कथन II और IV सही हैं

(ग) केवल कथन I सही है (घ) केवल कथन II सही है

(iv) प्रस्तुत गद्यांश में मुख्यतः किस त्रासदी का उल्लेख है-

(क) लॉर्ड माउंटबेटन द्वारा भारत-पाक विभाजन (ख) कैसर और ज़ार द्वारा घेरना-घोटना

(ग) लॉर्ड कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन (घ) नादिरशाह द्वारा दिल्ली में कत्लेआम

(v) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (A): लॉर्ड कर्जन कैसर और ज़ार से अधिक तानाशाह थे।

कारण (R): लॉर्ड कर्जन घेरने-घोटने से प्रजा की बात सुन लेते थे।

(क) कथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) गलत और कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए:- (3X2=6)

(क) मियाँ नसीरुद्दीन करके सीखने को सबसे बड़ा हुनर मानते थे। क्या आपके अनुसार भी अभ्यास से महारथ हासिल की जा सकती है? अपने विचारों को तर्कसहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) उम्र के एक पड़ाव पर मोहन और धनराम का सहज मिलन छात्र जीवन की विशिष्टता को दर्शाता है। इस विषय को ध्यान में रखते हुए अपने किसी विशेष मित्र के विषय में लिखिए।

(ग) "गलती करने वाला तो है ही गुनहगार, पर उसे बर्दाश्त करने वाला भी कम गुनहगार नहीं होता।" रजनी पाठ के इस संवाद के संदर्भ में अध्यापक और छात्र के मध्य संबंधों को लिखिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए:- (2X2=4)

(क) "उसके जीवन की फाइल भी पूर्ण हो चुकी थी।" - 'जामुन का पेड़' पाठ के आधार पर पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) नेहरू जी ने 'भारत माता की जय' नारे को अत्यंत व्यापक अर्थों में लिया है। क्या वर्तमान समय में इस प्रकार के नारों की प्रासंगिकता है?

(ग) फ़िल्म-निर्माण किसी तपस्या से कम नहीं है- सिद्ध कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए:- (5X2=10)

(क) 'आलो आँधारि' पाठ में बेबी हालदार एक गरीब नौकरानी होने के साथ-साथ पति से अलग रहने वाली महिला भी थी। इन परिस्थितियों ने बेबी के जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया? सामान्य नौकरानी से लेखिका बनने में इन परिस्थितियों ने क्या भूमिका निभाई? अपने विचार लिखिए।

(ख) अकसर यह आरोप लगाए जाते हैं कि चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए। लेकिन कुमार गंधर्व के अनुसार चित्रपट संगीत ने लोगों की संगीत-अभिरुचि को संस्कारित किया है। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर लिखिए।

(ग) "प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग आपदा को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है" - कथन के संदर्भ में पाठ 'राजस्थान की रजत बूँदें' किस गंभीर समस्या के विषय में चिंतन करने के लिए विवश करता है? इस समस्या का समाधान प्राकृतिक संसाधनों द्वारा किस प्रकार किया जा सकता है?